जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई और सात लोग गंभीर रूप से घायल हुए। बताया जाता है कि इन इमारतों को बनाते समय बिल्डरों द्वारा भवन बनाने संबंधी सरकारी मानकों का पालन नहीं किया गया था और ये मकान खराब गुणवत्ता की निर्माण सामग्री से बनाए जा रहे थे। इतने बड़े हादसे के बावजूद प्राधिकरण के कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे, जिसके कारण वहां के लोगों में काफी नाराज़गी है। एक व्यक्ति जो अपने जीवन की गाढ़ी कमाई एक घर खरीदने में लगा देता है, अचानक उसे पता चलता है कि उसके द्वारा खरीदा गया अपना आशियाना, मिलने से पहले ही ध्वस्त हो गया। हम समझ सकते हैं कि यह उसके साथ कितना अत्याचार है। इस सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए मैं यह मांग करता हूं कि इस प्रकार के भवनों का निर्माण करने वाले बिल्डरों तथा सरकारी मानकों के उल्लंघन में शामिल सरकारी कर्मचारियों के ऊपर यथाशीघ्र मुकदमा दर्ज करके उन्हें जेल भेजा जाए, साथ ही भवन में रहने वाले ऐसे परिवार, जिनके लोगों की जान गई, उनके आश्रितों को उचित आर्थिक सहायता दी जाए। ऐसे व्यक्तियों को, जिनका आशियाना मिलने से पहले ही गिर गया, उन्हें भी उचित मुआवज़ा दिया जाए, धन्यवाद।

श्री राम कुमार कश्यप (हरियाणा)ः सर, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री सुरेन्द्र सिंह नागर (उत्तर प्रदेश)ः सर, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

Situation arising out of continuous rains in the State of Kerala

SHRI ELAMARAM KAREEM (Kerala): Sir, I want to raise a very serious situation regarding Kerala. Kerala is experiencing heavy rains during the South-West Monsoon, leading to catastrophic loss of life and property in 965 villages.

MR. CHAIRMAN: You have to be brief because Shri Binoy Viswam also has given his name to speak on this.

SHRI ELAMARAM KAREEM: People have been relocated in relief camps all over the State. Heavy coastal sea erosion has left hundreds homeless. As per the reports received from District Collectors, during this monsoon season, 90 lives have been lost; of which 35 deaths were reported in the last two weeks. These are reports of damage to standing crops in 10,000 hectares; 350 houses have been fully damaged and over 9,000 houses are partially damaged. The National Disaster Response Force is currently deployed in the districts.

MR. CHAIRMAN: What is the demand and what is the suggestion?

SHRI ELAMARAM KAREEM: Sir, the Union Ministers, Shri Kiren Rijiju and Shri Alphons, visited the area and they have realised the severe situation there. A meagre

amount has been allotted so far. A substantial financial help is requested for. An all-party delegation met the Prime Minister and put forth their request to him. So, I request the hon. Chairman to advise the Government to properly finance the State in this situation. Thank you, Sir.

MR. CHAIRMAN: Is Shri Binoy Viswam here? Not present.

SHRI K. SOMAPRASAD (Kerala): Sir, I associate myself with the matter raised by Shri Elamaram Kareem.

Problems being faced by Indian fishermen lodged in Pakistani jails

SHRI CHUNIBHAI KANJIBHAI GOHEL (Gujarat): Sir, I want to speak in Gujarati.

श्री सभापतिः इसके लिए आपने पहले से रिक्वेस्ट नहीं दी थी, इसलिए आज हिन्दी में बोलिए, बाद में देखेंगे। रीजनल लैंग्वेज में बोलने के लिए पहले नोटिस देना पड़ता है।

श्री चुनीभाई कानजीभाई गोहेलः ठीक है, सर, क्या मैं अपनी बात फिर से रिपीट करूं?

श्री सभापतिः नहीं, आगे बढ़िए।

श्री चुनीभाई कानजीभाई गोहेलः सर, अर्जुन भाई चौहान, जो वहां के जेल में मर गया था, उसकी लाश को यहां भेजने में भी उन लोगों ने कोई सहायता नहीं की। बाद में उनके परिवार का एक आदमी, जो पाकिस्तान जेल में था, उसने वहां से ख़त लिखा कि यह आदमी मर गया है और उसकी डेड-बॉडी को यहां रखा गया है। बाद में उसकी पत्नी ने सुषमा जी को ख़त लिखा, तब सुषमा जी ने पाकिस्तान के साथ बातचीत की और उसके बाद शायद 29 जून को उस आदमी की डेड-बॉडी भारत आई। महोदय, मेरा यही कहना है कि एक आदमी जब पाकिस्तान की जेल में मर जाता है, तो पाकिस्तान के जेल वालों को 4-4 महीने तक डेड बॉडी देने की फ़ुर्सत नहीं मिलती है। महोदय, आपके माध्यम से मेरी रिक्वेस्ट है कि गवर्नमेंट को, पाकिस्तान गवर्नमेंट को भी लिखा जाए कि जो आदमी मर जाता है, उसके मरने के बाद उसके साथ कोई पोलिटिक्स नहीं की जाती है, कोई देश विरोधी मामले सम्बन्धी बातें नहीं होती हैं। इसलिए, कोई भी आदमी मर जाता है तो उसके परिवार को तुरन्त जानकारी दे दी जाए, यह मेरी भावना है।

श्री अमर शंकर साबले (महाराष्ट्र)ः महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री महेश पोद्दार (झारखंड)ः महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री हुसैन दलवई (महाराष्ट्र)ः महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।